कहानी

ईमानदार गिलहरी चिंकी

हरे-भरे जंगल के बीच एक छोटा सा पेड़ था, उसी पर एक नन्ही गिलहरी रहती थी. उसका नाम था चिंकी. चिंकी बहुत चंचल, फुर्तीली और समझदार थी. वह सुबह होते ही पेड़ों पर कूदने लगती, कभी नदी के पास जाती तो कभी अपने दोस्तों के साथ खेलती. जंगल के सभी जानवर चिंकी को पसंद करते थे, क्योंकि वह सबकी मदद करती थी और कभी झूठ नहीं बोलती थी. उसकी माँ हमेशा उसे सिखाती थी कि सच्चाई और ईमानदारी इंसान ही नहीं, बल्कि हर जीव की सबसे बड़ी पहचान होती है. एक दिन जंगल में बहुत बड़ा मेला लगा. दूर-दूर से जानवर आए. कहीं फल बिक रहे थे, कहीं रंग-बिरंगे खिलौने थे और कहीं झूले लगे थे. चिंकी बहुत खुश थी. वह इधर-उधर घूम रही थी, तभी उसकी नज़र ज़मीन पर चमकती हुई एक चीज़ पर पड़ी. वह पास गई तो देखा कि वह सोने का सिक्का था. सिक्का देखकर चिंकी का दिल ज़ोर से धड़कने लगा. उसने सोचा कि इस सिक्के से वह ढेर सारे मेवे और मिठाइयाँ खरीद सकती है.

लेकिन तभी उसे अपनी माँ की सीख याद आई कि जो चीज़ हमारी न हो, उसे अपने पास रखना गलत होता है. चिंकी थोड़ी देर सोच में पड़ गई, फिर उसने तय किया कि वह सही काम करेगी. उसने सिक्का उठाया और ज़ोर से आवाज़ लगाई कि क्या किसी का सिक्का गिर गया है. कई जानवर वहाँ आए, लेकिन किसी ने भी सिक्के को अपना नहीं बताया. कुछ ही देर बाद एक बूढ़ा कछुआ धीरे-धीरे चलता हुआ वहाँ पहुँचा. उसकी आँखों में चिंता साफ़ दिख रही थी. उसने काँपती आवाज़ में कहा कि वह दवा खरीदने के लिए सिक्का लाया था, लेकिन रास्ते में गिर गया. चिंकी ने बिना एक पल सोचे सिक्का कछुए को दे दिया. कछुए की आँखों में खुशी के आँसू आ गए. उसने चिंकी को आशीर्वाद दिया और कहा कि ईमानदारी आज भी इस जंगल में ज़िंदा है.

कछुए ने चिंकी को एक छोटा सा जादुई अखरोट दिया और बताया कि यह उसकी सच्चाई का इनाम है. उसने कहा कि जब भी जंगल पर कोई बड़ी मुसीबत आए और चिंकी सच्चे दिल से इस अखरोट को हिलाएगी, तो यह सबकी मदद करेगा. चिंकी ने अखरोट को संभालकर रख लिया और खुशी-खुशी अपने घर लौट आई. कुछ दिनों बाद जंगल में तेज़ बारिश होने लगी. नदी उफान पर आ गई और कई जानवरों के घर टूटने लगे. सब डर गए और मदद के लिए इधर-उधर भागने लगे. चिंकी ने यह सब देखा तो उसे जादुई अखरोट याद आ गया. उसने पूरे दिल से अखरोट को हिलाया. देखते ही देखते चारों ओर रोशनी फैल गई और जंगल में सुरक्षित जगहें बन गईं.

सभी जानवर वहाँ पहुँच गए और सुरक्षित हो गए. जंगल का राजा शेर भी यह देखकर बहुत खुश हुआ. उसने सबके सामने चिंकी की तारीफ़ की और कहा कि अगर चिंकी ईमानदार न होती, तो आज जंगल को यह मदद नहीं मिलती. सभी जानवरों ने तालियाँ बजाईं और चिंकी को धन्यवाद दिया. चिंकी ने मुस्कुराकर कहा कि उसने बस वही किया जो सही था.

उस दिन के बाद जंगल के सभी बच्चे चिंकी से सीख लेने लगे और समझ गए कि सच्चाई और ईमानदारी से बड़ा कोई जादू नहीं होता.

सीख

जो सच्चा और ईमानदार होता है, उसकी मदद खुद किस्मत भी करती है.

बिंदु मिलाओ

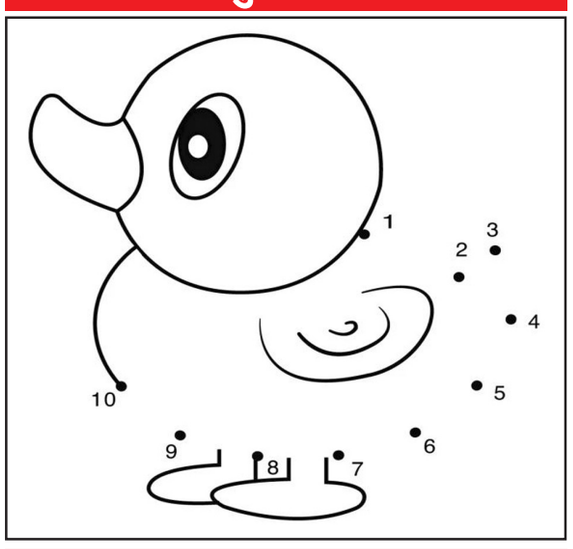

रंग भरो

प्रेरक प्रसंग

अटल एक विचार, नेतृत्व और विरासत

अटल बिहारी वाजपेयी भारत के महान नेता और कवि थे. बचपन में उनके घर वाले उन्हें प्यार से 'बिट्टू' कहकर बुलाते थे. उनका जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ. बचपन से ही बिट्टू बहुत समझदार, शांत और पढ़ाई में अच्छे थे. उन्हें किताबें पढ़ना, कविताएँ लिखना और लोगों के सामने बोलना बहुत पसंद था. यही गुण आगे चलकर उन्हें एक महान नेता और वक्ता बना गए. अटल जी ने राजनीति में अपने करियर की शुरुआत भारतीय जनसंघ से की और बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मजबूत स्तंभ बने.

उन्होंने हमेशा देशहित को सबसे ऊपर रखा. वे तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने और अपने नेतृत्व से देश को कई क्षेत्रों में मजबूती दी. उनके प्रधानमंत्री बनने पर देश में विकास, सुरक्षा और संस्कृति का संतुलन बना. उनके समय में पोखरण परमाणु परीक्षण हुआ, जिससे भारत मजबूत और सुरक्षित बन गया. उन्होंने देश की सड़कें और यातायात बेहतर बनाने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज योजना शुरू की. इस योजना के कारण दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े शहर अच्छी सड़कों से जुड़े. इससे लोगों को यात्रा करना आसान हुआ और व्यापार बढ़ा.

अटल जी ने दूरदराज के गाँवों और छोटे शहरों को भी मुख्य शहरों से जोड़ने पर ध्यान दिया. अटल जी ने दूरसंचार और तकनीक के क्षेत्र में भी कई कदम उठाए. उनके कार्यकाल में मोबाइल और इंटरनेट का विकास हुआ. उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि यह सुविधाएँ देश के हर व्यक्ति तक पहुँचें. इससे आज हम अपने परिवार

और दोस्तों से आसानी से जुड़ पाते हैं.

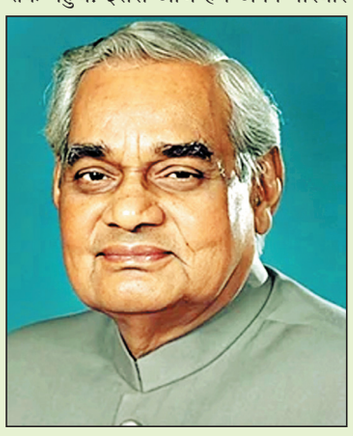

अटल बिहारी वाजपेयी शांति के समर्थक थे. वे मानते थे कि युद्ध से नहीं, बल्कि बातचीत से समस्याओं का समाधान होता है. उन्होंने पड़ोसी देश पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने के लिए लाहौर बस यात्रा की. उन्होंने देश को यह सिखाया कि कभी भी शक्ति और सम्मान के लिए संघर्ष करना जरूरी है, लेकिन शांति और दोस्ती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. अटल जी सिर्फ एक नेता ही नहीं थे, बल्कि कवि और लेखक भी थे.

उन्होंने कई कविताएँ लिखीं, जिनमें देशप्रेम, मानवता और जीवन की सीख मिलती है. उनकी प्रसिद्ध किताबें हैं 'मेरी इक्यावन कविताएँ', 'अमर आग है' और 'कदम मिलाकर चलना होगा'. उनकी कविताएँ आज भी बच्चों और युवाओं को प्रेरित करती हैं. अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन हमें सिखाता है कि ईमानदारी, मेहनत और अच्छे विचारों से कोई भी बड़ा बन सकता है. बचपन का बिट्टू बड़ा होकर देश का प्रधानमंत्री बना और देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया. उनके जीवन और कार्य हमेशा लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगे.

तुलसी : जीवनदायिनी और पवित्र पौधा

जानकारी

तुलसी, जिसे अंग्रेज़ी में होली बेसिल कहा जाता है, भारत का एक बहुत ही पवित्र और औषधीय पौधा है. इसे हिन्दू धर्म में देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा में लगाया जाता है. इसलिए इसे केवल एक पौधा नहीं, बल्कि घर और जीवन के लिए शुभ और पवित्र वस्तु माना जाता है. तुलसी को अक्सर घर के आँगन, छत या मंदिरों में देखा जा सकता है. इसे कभी-कभी 'पौधों की रानी' भी कहा जाता है. तुलसी का वैज्ञानिक नाम ओसिमम सैंक्टम या ओसिमम टेनुइफ्लोरम है. इसके पत्ते छोटे, हरे और सुगंधित होते हैं. तुलसी की कई किस्में होती हैं, जैसे हरी तुलसी और काली तुलसी, और दोनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती हैं.

तुलसी के पौधे में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं. इसके पत्ते, फूल और बीज सभी रोग-प्रतिरोधक और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं. तुलसी का सेवन सर्दी, खाँसी, जुकाम, बुखार और श्वसन संबंधी रोगों में बहुत लाभकारी होता है. तुलसी की चाय या काढ़ा पीने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है. इसके पत्तों और तेल में कीटाणुनाशक और सूजन कम करने वाले गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाते हैं. तुलसी का प्रयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है. तुलसी के पौधे के पास बैठने या इसके पत्तों की खुशबू लेने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है.

हिन्दू धर्म में तुलसी को सकारात्मक ऊर्जा देने वाला और बुरी शक्तियों से सुरक्षा करने वाला पौधा माना जाता है. तुलसी की देखभाल करना आसान है. इसे रोज़ाना पर्याप्त पानी और धूप की आवश्यकता होती है. अगर घर में तुलसी का पौधा रखा जाए, तो वातावरण शुद्ध रहता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है. इस प्रकार, तुलसी केवल एक औषधीय पौधा नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और आध्यात्मिक लाभों का अद्भुत स्रोत है. यह हमें शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से मजबूत बनाता है. इसलिए इसे 'जीवनदायिनी और पवित्र पौधा' कहा जाता है.

भूल भुलैया

रोचक तथ्य

- दिमाग सबसे तेज़ कंप्यूटर की तरह काम करता है.
- सोते समय भी दिमाग पूरी तरह नहीं सोता.
- दिमाग में लगभग 100 अरब तंत्रिकाएँ होती हैं.
- एक वयस्क का दिमाग करीब 1.3-1.4 किलोग्राम का होता है.
- दिमाग हर दिन लाखों चीज़ें सोच सकता है.
- दिमाग का 75% हिस्सा पानी से बना होता है.
- सपने देखने पर दिमाग यादों और अनुभवों को जोड़ता है.

दिमाग के रहस्य

- नीला रंग दिमाग को शांत करता है, लाल रंग ऊर्जा बढ़ाता है.
- नया सीखना और नई चीज़ें करना दिमाग को तेज बनाता है.
- दिमाग को चोट और तनाव से बचाना बहुत जरूरी है.

कविता

फल और स्वास्थ्य

सेब, केला और संतरा लाल,
सभी खाते बनते हैं कमाल.
हरी सब्ज़ियाँ, दाल और
चावल,
खाएँ हम और बनें बलवान.
फल और सब्ज़ी हमारी शक्ति,
संतुलित भोजन है सभी की
जिम्मेदारी.
स्वस्थ रहें हर बच्चा प्यारा,
खुश रहें जीवन हमारा सारा.

बूझो तो जानें

- सफेद हूँ, ठंडी-ठंडी, गर्मी में सबको भाती.
  उत्तर: आइसक्रीम
- रात में चमकता, दिन में छुप जाता, आसमान में मेरा घर है जहाँ.
  उत्तर: चाँद
- उड़ता हूँ रंग-बिरंगे पंखों के साथ, फूलों पर बैठता, लाता खुशियों की बात.
  उत्तर: तितली
- सूरज की रोशनी से मैं आता, दिन भर सबको ऊर्जा देता.
  उत्तर: सूरज
- पानी में तैरता, बच्चों का प्यारा दोस्त, छोटा और फुर्तीला, सबका खुशियों का जोस.
  उत्तर: मछली
- लाल रंग का हूँ, स्वाद में मीठा, बच्चों का पसंदीदा फल हूँ मैं हमेशा.
  उत्तर: सेब

हंसी-ठिठोली

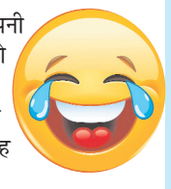

- यामुंडा: मैंने साबुन से अपनी शर्ट धोई और वह छोटी हो गई है.
  नटखट नीटू: तुम भी उसी साबुन से नहा लो, फिर वह शर्ट तुम्हें फिट हो जाएगी!
- पिता: बेटा बचत करना सीखो, बचत से भविष्य सुरक्षित रहता है.
  चेलाराम: तभी तो पापा, मैं इस बार फेल हो गया ताकि आपको किताबें न खरीदनी पड़े.
- नटखट नीटू: अगर नदी में नींबू का पेड़ है तो तुम उससे नींबू कैसे तोड़ोगे?
  चिड़ीया बनके.
  यामुंडा: तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा?
  नटखट नीटू: वही जिसने नदी में नींबू का पेड़ लगाया है!
- टीचर : क्या सोच रहे हो?
  पपीताराम : अगर राष्ट्रगान और राष्ट्रपशु दोनों एक साथ सामने आ जाएँ, तो खड़ा रहना चाहिए या भागना चाहिए?

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें .**

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

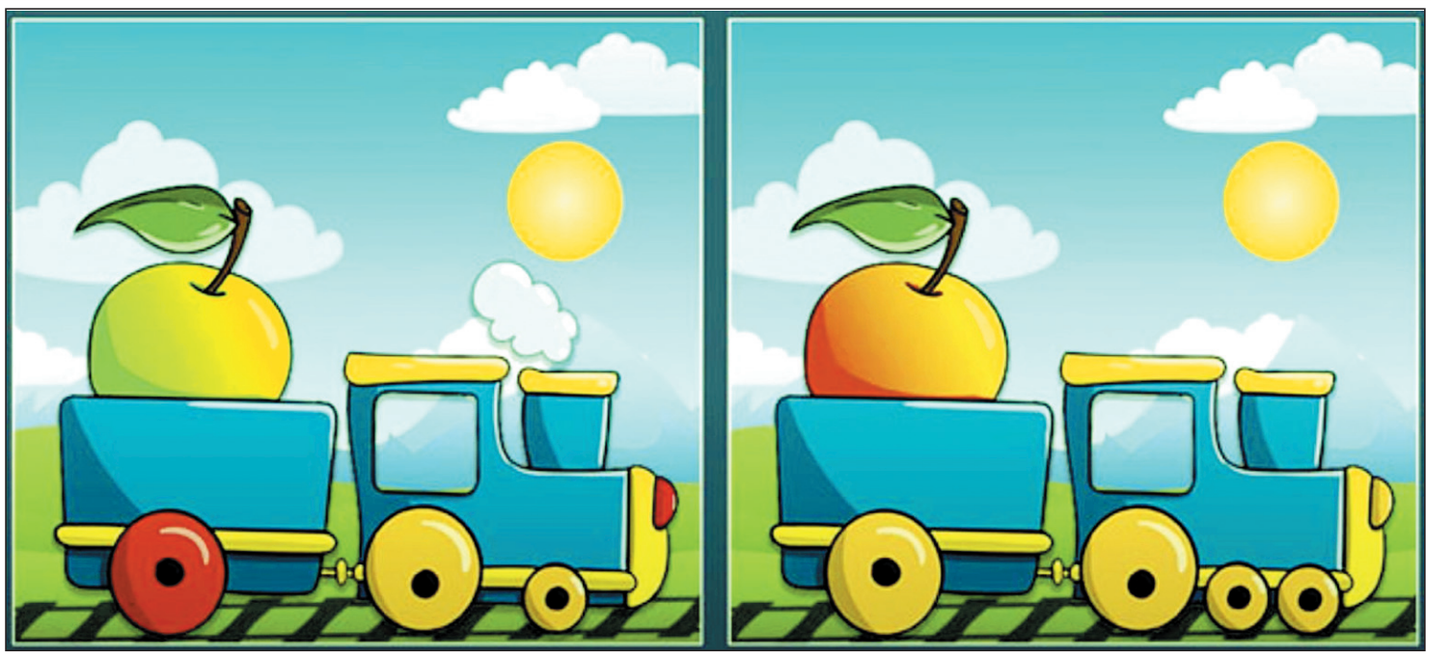

उत्तर- 1. आम का कलर अलग, 2. इंजन से निकलता हुआ, 3. पीछे के पहिए का कलर अलग, 4. आगे के पहियों में से एक पहिया गायब, 5. सामने लगी हुई लाईट